काव्य-सृजन और शिल्प-विधान

रोहिताश्व

लोकभारती प्रकाशन
इलाहाबाद नयी दिल्ली पटना

ISBN 81-8031-090-6

लोकभारती प्रकाशन
दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग,
इलाहाबाद-1 द्वारा प्रकाशित

❖

प्रथम संस्करण : 2006

❖

© **रोहिताश्व**

मूल्य : 300.00

❖

लेजर-टाइपसेटिंग
प्रिन्टेक, इलाहाबाद-3

❖

इण्डियन प्रेस प्रा० लिमिटेड
इलाहाबाद-1 द्वारा मुद्रित

अनुक्रम

1.	अज्ञेय	:	ओ नि:संग ममेतर की काव्य तितीर्षा	1-14
2.	शमशेर	:	क्लासिक परम्परा का काव्य	15-28
3.	मुक्तिबोध	:	अंधेरे में कविता : कथ्य एवं शिल्प	29-51
4.	केदारनाथ अग्रवाल	:	नैसर्गिक सौन्दर्य का रूझान	52-60
5.	नागार्जुन	:	मंत्र कविता का लोक शिल्प	61-77
6.	त्रिलोचन	:	पक्षधर चेतना का कवि कर्म	78-84
7.	रघुवीर सहाय	:	आत्महत्या के विरुद्ध कविता का कथा	85-92
8.	सर्वेश्वर	:	काव्य संवेदना और युगबोध	93-118
9.	धूमिल	:	काव्य कर्म और पटकथा का शिल्प	119-141
10.	केदारनाथ सिंह	:	पारदर्शी बिम्ब और लोक शिल्प	142-186
11.	दुष्यन्त कुमार	:	गजल और कालजयी आस्था	187-211